VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 07 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1836)

Name of Candidate	Ishwar lal Gurjar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	1295818
Center	Delhi	Date	07, sep, 2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. The PM-AASHA scheme is aimed at improving procurement mechanism as well as ensuring remunerative prices for farmers. In this context, highlight the various components of the scheme and discuss the concerns associated with it. (150 words) 10

पीएम-आशा योजना का उद्देश्य खरीद तंत्र में सुधार के साथ-साथ किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में, योजना के विभिन्न घटकों को रेखांकित कीजिए तथा इससे जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए।

किसानों की आय बढ़ाने व कृषि उपज पर लागत प्रभावी मूल्य प्राप्ति हेतु Pm आशा योजना लायी गई है। यह MSP खरीद प्रणाली में 'वैकल्पिक खरीद प्रणाली' व सुधार को बढ़ावा देती है।

घटक - (i) मूल्य अंतरण व्यवस्था

किसानों को अपनी फसल निजी बाजार में बेचनी होगी तथा MSP व बाजार मूल्य का अंतर सरकार पूरा करेगी (सब्सिडी, DBT) द्वारा

(2) न्यूनतम रिजर्व प्राइस के तहत बाजार में एक निश्चित मूल्य से

निजी खरीद पर रोक रहेगी।

खरीद तंत्र में सुधार : किसानों हेतु लाभकारी

(i) MSP को प्रतिस्थापन करके सरकार की खाद्य सब्सिडी भार (2.5 लाख करोड़) को कम कर सकती है।

(ii) वैकल्पिक खरीद तंत्र की व्यवस्था, जो APMC के एकाधिकार को समाप्त

(iii) प्रत्यक्ष विपणन को बढ़ावा।

(चिंता) (i) किसानों की अरुचि के कारण असफल

(ii) APMC के अतिरिक्त कृषि निजी मंडियों का अभाव है।

(iii) जागरूकता का अभाव

अतः PM आशा को कृषि विपणन में सुधार हेतु बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explaining the concept of blended finance, discuss the role it can play in mobilizing capital for infrastructure development in developing countries like India.

(150 words) 10

मिश्रित वित्त की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, भारत जैसे विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु पूंजी जुटाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

भारत को राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन के लिए 2025 तक 111 लाख करोड़ के वित्त की आवश्यकता है तथा 2030 तक 2-4 ट्रिलियन वित्त की जिसे मिश्रित वित्त द्वारा पूरा किया जा सकता है

मिश्रित वित्त : अवसंरचना विकास भूमिका

(i) सार्वजनिक वित्त व निजी निवेश द्वारा अवसंरचना का विकास होगा।

(ii) राजकोषीय घाटा (वर्तमान 6.8%) को कम किया जा सकेगा।

(iii) गुणात्मक प्रभाव उत्पन्न होगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

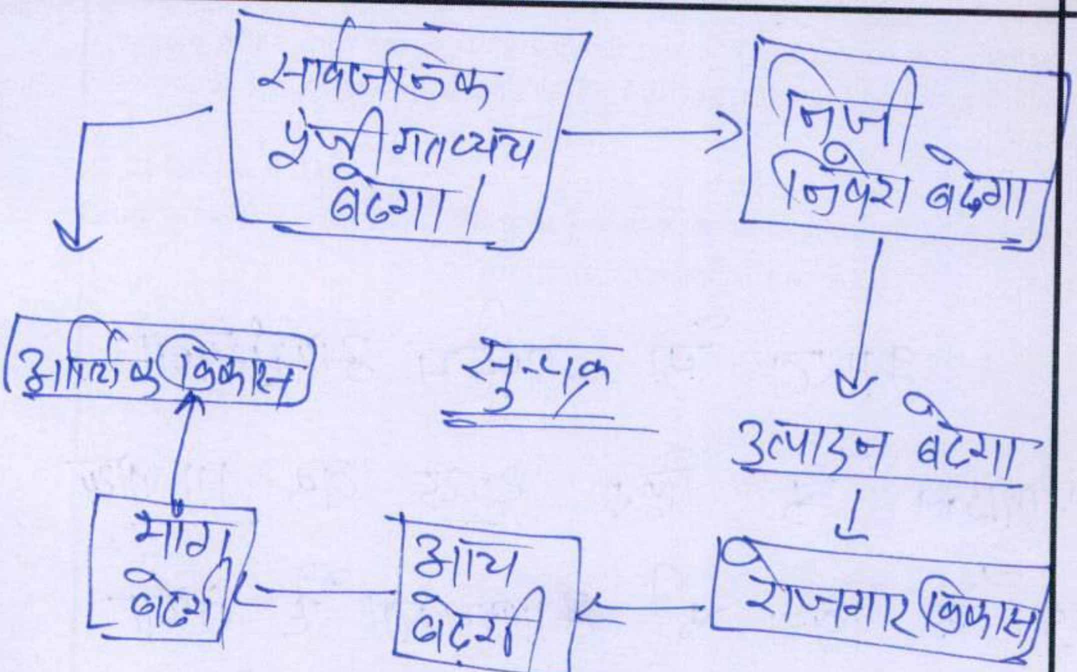

(iv) सरकार के वित्त स्रोत / संसाधन सीमित है (कर - GDP अनुपात मात्र 11.7%)

(vi) मिश्रित वित्त द्वारा PPP परियोजनाओं सामाजिक पूंजी, पूंजीनिर्माण में बढ़ोतरी होगी।

अतः भारत को 5 ट्रिलियन इकोनॉमी व विनिर्माण हब बनाने के लिए मिश्रित वित्त आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the challenges faced in the revival and revamp of dry ports in India and state the measures that can be adopted in this regard.

(150 words) 10

भारत में शुष्क पत्तनों (ड्राई पोर्ट्स) के पुनरुद्धार और सुधार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा इस संबंध में अपनाए जाने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

ड्राई पोर्ट्स - भू-आबद्ध व जमीन पर स्थिति पोर्ट होते है, जो निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक स्पोर्ट देते है जैसे- भीलवाड़ा ड्राई पोर्ट्स जयपुर —॥—

चुनौतियाँ (i) लॉजिस्टिक लागत (GDP का 13-14%) अधिक है।

(ii) पुनरुद्धार व सुधार के लिए चलित PPP परियोजनाओं में 40% प्रोजेक्ट विलम्बित व अत्यधिक व्यय के कारण

(iii) निजी संचालन के कारण ग्राहक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सेवा महँगी व सीमित है।

(v) कनेक्टिविटी बाधित होती है।

(vi) अवसंरचनात्मक विकास व सुविधाएँ नहीं।

(v) वर्ल्ड लॉजिस्टिक इंडेक्स में भारत की खराब रैंक।

उपाय → (1) प्रमुख बंदरगाहों से ड्राई पोर्ट्स को जोड़ने के लिए सागरमाला प्रोजेक्ट का विस्तार करना।

(2) डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर (DFC) का विकास व विस्तार करना होगा।

(3) औद्योगिक गलियारों को बढ़ावा देना

अतः ड्राई पोर्ट्स लॉजिस्टिक व सप्लाई चेन प्रबंधन को लचीला व प्रभावी बनाने हेतु जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Monoculture is one of the major threats to ensuring food security and sustainability of Indian agriculture. Discuss. (150 words) 10

एकल कृषि (मोनोकल्चर) खाद्य सुरक्षा और भारतीय कृषि की संधारणीयता सुनिश्चित करने के समक्ष विद्यमान प्रमुख खतरों में से एक है। चर्चा कीजिए।

भारत में सर्वाधिक बुवाई क्षेत्र गेहूं व चावल का है, जो एकल कृषि के रूप में विश्व में दूसरा बड़ा क्षेत्र है

एकल कृषि : चुनौतियां

(i) भूमि उर्वरता में कमी, मृदा अपरदन, अम्लीकरण, क्षारीयता में बढ़ोतरी होती

(ii) प्राकृतिक आपदाओं (सूखा, टिड्डी) के प्रति अधिक सुभेद्य है।

(iii) जल दक्षता कम होती है। (भूमिगत जल का 86% सिंचाई हेतु) अत्यधिक सिंचाई के कारण जलप्लावन समस्या।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) मोटे अनाज, दलहन व खाद्य तेल के उत्पादन में कमी जैसे भारत खाद्य तेल का सबसे बड़ा आयातक

(iv) कुपोषण
- विविधता की कमी
- प्रोटीन की कमी
- प्रच्छन्न भुखमरी

(v) धान से CH_4 उत्सर्जन → ग्लोबल वार्मिंग

आगे की राह

1. एग्रो फॉरेस्ट्री को बढ़ावा
2. गढ़वाल की 'बारह अनाज' खेती अपनाना
3. परम्परागत कृषि विकास योजना लागू करना
4. प्राकृतिक कृषि पद्धति
   - मल्च बनाना
   - जैविक खाद
5. फसल विविधीकरण - दलहन + मोटे अनाज
6. बागवानी को बढ़ावा देना।

एकल फसल की जगह फसल विविधकरण से SDG 1, 2 की प्राप्ति होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While highlighting the impact of single-use plastic on health and the environment, state the recent efforts taken by the government to curb plastic pollution in India. **(150 words) 10**

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

भारत सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर 1 जुलाई 2022 से ही प्रतिबंधित कर दिया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक में स्ट्रे, कप, ब्रश इत्यादि

स्वास्थ्य - पर्यावरण पर प्रभाव

(i) जैव आवर्धन द्वारा यह माइक्रो प्लास्टिक कण खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते है जिससे कैंसर रोग

(ii) समुद्री पारितंत्र में एकल यूज प्लास्टिक माइक्रो बिट्स में टूटकर जलीय जीवों (मछली → मनुष्य)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) भूमि की उर्वरता को कम करते हैं

(iv) बायो-डिग्रेडेबल नहीं होते जैसे - प्लास्टिक बोतल 400 वर्ष तक रहती है।

(v) प्लास्टिक अपशिष्ट → प्रदूषण का कारण
जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, वायु प्रदूषण

(vi) जानवरों द्वारा खाने पर जैवविविधता का ह्रास

(vii) जल स्रोत दूषित होते हैं।

आगे की राह: अतः सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए सरकार ने 2016 में प्लास्टिक प्रबंधन नियम, प्लास्टिक पैक्ट अपनाना, जूट को बढ़ावा देना का प्रयास किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Aapda Mitra – a force of volunteers from across India trained in disaster response – is becoming a game changer in the field of disaster management in the country. Elaborate. **(150 words) 10**

आपदा मित्र-आपदा प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित भारत भर के स्वयंसेवकों का एक बल-देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभर रहा है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

[आपदा मित्र] - स्वयंसेवकों का एक समूह होता है, जो आपदा के प्रत्येक चरण (आपदा पूर्व, दौरान, पश्चात) प्रशासन के साथ आपदा प्रबंधन व जोखिम न्यूनीकरण कार्यों में संलग्न होते हैं

[भूमिका] – (1) NDMA की आपदा राहत टीम के बचाव-राहत कार्यों में सहायता करना।

(2) मॉक ड्रील के दौरान जागरूकता बढ़ाना

(3) नागरिक समाज की भूमिका में समन्वय करना जैसे- चिकित्सा सहायता,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवासन, खाद्यान वितरण इत्यादि।

(P) मानव संसाधन की कमी को पूरा करते है। जैसे बाढ़ के दौरान बचाव कार्यों

चुनौतियाँ - प्रशिक्षण का अभाव है।
- स्वैच्छिक योगदान के प्रति जागरूकता नहीं।
- प्रशासन का अक्खड़पन व जनसहभागी रवैया न होना।
- व्यापक संलिप्तता व सहयोग का अभाव

अतः आपदा-मित्र द्वारा सरकार सेंडाई फ्रेमवर्क के 7 लक्ष्यों को बेहतरी से प्राप्त कर सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Why is the rise in lone wolf attacks considered as a serious challenge for security agencies around the world? Highlight the role of the internet in exacerbating such attacks. **(150 words) 10**

विश्व भर में लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि को सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक गंभीर चुनौती क्यों माना जाता है? ऐसे हमलों की वृद्धि में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

'लोन वुल्फ' हमले गैर-परम्परागत हमले होते है, जो अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय व्यक्तियों, आयोजन को छिपकर टारगेट बनाते है जैसे - साइबर क्राइम - व्यक्तिगत हमला

सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती

(i) गैर-राज्य कारकों द्वारा प्रेरित होते है

(ii) पहचान व ट्रैकिंग करना मुश्किल

(iii) अनामिता के कारण मुश्किलें

(iv) गैर-परम्परागत कार्य प्रणाली व हमलों का अप्रत्यक्ष स्वरूप

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुरक्षा एजेन्सियों की आसूचना व तकनीकी दक्षता, आपसी समन्वय कम

इन्टरनेट की भूमिका

↳ (i) साइबर क्राइम द्वारा लोन वुल्फ में बढ़ोत्तरी हुई।

(ii) धोखाधड़ी, ऑनलाइन फ्रॉड द्वारा ब्लैक मेल करने की घटनाएँ।

(iii) इंटरनेट द्वारा टारगेट की सोशल मीडिया जानकारी (फोटो, कॉनटेक्ट) आसानी से उपलब्ध

आगे की राह - डिजिटल सुरक्षा के लिए CERT व सुरक्षा एजेंसियों में समन्वय समय की मांग है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The fundamental inefficiencies embedded in our military structures and processes are now being addressed through a slew of defence reforms in the country. Discuss. (150 words) 10

हमारे सैन्य ढांचे और प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूलभूत अक्षमताओं को अब देश में विभिन्न रक्षा सुधारों के माध्यम से दूर किया जा रहा है। चर्चा कीजिए।

भारत की 14 लाख की थल सेना व व्यापक सैन्य ढांचा भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य ताकत बनाता है।

सैन्य ढांचे और प्रक्रिया में अक्षमताएँ

(i) महिलाओं का न्यूनतम प्रतिनिधित्व

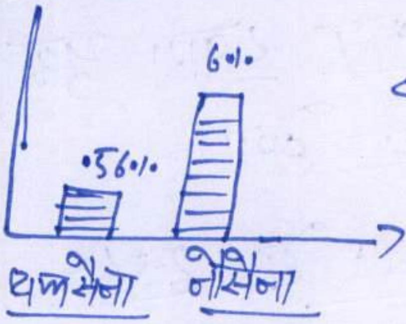

(ii) औसत सैनिक उम्र -32 वर्ष है। जबकि UK-USA में 26-27 वर्ष है।

(iii) रक्षा व्यय का बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन पर खर्च, रक्षा उपकरणों पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कम खर्च के कारण - आधुनिकीकरण नहीं।

(iv) रक्षा क्षेत्र आयात पर अत्यधिक निर्भरता
भारत तीसरा बड़ा आयातकों में

(v) सैन्य प्रशासन व नौकरशाही (कराव

(vi) तीनों सेनाओ में न्यूनतम समन्वय
Eg- कारगील वॉर कमेटी के अनुसार

उपाय / सुधार
① समन्वय हेतु CDS की नियुक्ति
② अग्निवीर स्कीम द्वारा युवा सैनिक व पेंशन खर्च कम होगा।
③ रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण हेतु 2.5 LC का फंड (15वें वित्त आयोग)
④ 65% उपकरण घरेलू क्षेत्र (आत्मनिर्भरता)
⑤ रक्षा आयात का विविधिकरण - रूस (S-400)
- इजराइल (बराक

अतः रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता व समन्वय द्वारा सुधार अपेक्षित है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In light of the recent establishment of the WHO Global Centre for Traditional Medicine in India, discuss the advantages and challenges in mainstreaming traditional medicine in the country. **(150 words) 10**
हाल ही में, भारत में डब्ल्यू. एच. ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के आलोक में, देश में पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

WHO के ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसन द्वारा परम्परागत चिकित्सा (योग, आयुर्वेद, हेलोपैथी, सिद्दा) को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

लाभ
1. एलोपैथी पर निर्भरता कम होगी
2. एलोपैथी के साइड इफेक्ट की अपेक्षा परम्परागत चिकित्सा पद्दति अधिक प्रभावी
3. परम्परगत चिकित्सा द्वारा होलिस्टिक एप्रोच से स्वास्थ्य लाभ
4. कोविड -19 में प्रभावी भूमिका ⇒ [गिलोय, गिलोय काढा, आयुर्वेद की औषधियाँ

चुनौतियाँ - ① तत्काल राहत के लिए एलोपैथी की अनिवार्यता
② वन हेल्थ रेस्पॉन्स का अभाव है।
③ जागरूकता की कमी है।
④ परम्परागत चिकित्सा पद्धति का पाठ्यक्रम व मानव बल की कमी

आगे की राह - ① भारत के आयुष मिशन के साथ जोड़ना होगा।
② कम्पोजिट हेल्थ, वन हेल्थ व LiFE मिशन को बढ़ावा देना होगा।
③ चिकित्सकों, आयुर्वेद वैद्य व अवसंरचना को बढ़ाना होगा।

अतः परम्परागत चिकित्सा द्वारा SDG-4 की प्राप्ति सम्भव।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Nano Urea Liquid has the potential to transform farming in India and across the world by improving productivity while reducing environmental pollution and input cost. Discuss. **(150 words) 10**

नैनो यूरिया लिक्विड में पर्यावरण प्रदूषण और इनपुट लागत को कम करने के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करके भारत और विश्व भर में कृषि कार्य को रूपांतरित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिए।

'इफको' द्वारा नैनो यूरिया का निर्माण किया गया, जो विश्व का पहला नैनो यूरिया उत्पाद है।

(लाभ) (1) परम्परागत यूरिया उर्वरक का अत्यधिक प्रयोग (8:3:1) से कम करेगा।

(2) उर्वरक खपत को आधा करने से भारत की आयात निर्भरता व यूरिया सब्सिडी में कमी आयेगी।

(3) नैनो यूरिया से 50-70% तक उत्पादकता बढ़ने की संभावना।

(4) उर्वरक लागत को 30-40% कम करेगा।

(5) अत्यधिक उर्वरक खपत से भूमि के अम्लीकरण, क्षारीयता, जल प्रदूषण, सुपोषणीयता की समस्या होती है। नैनो यूरिया अधिक कुशल है।

(6) जल के साथ मिलाकर सिंचाई फव्वारा, ड्रिप सिस्टम द्वारा किया जायेगा। (कम जल खपत होगी)

अतः यह उर्वरक संकट (रूस-यूक्रेन) से भारत व विश्व को उबारने में सहायक होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Discuss the domino effect of high crude oil prices on the Indian economy. Also, enumerate the measures that India can take in this context.
(250 words) 15

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के डोमिनो प्रभाव की विवेचना कीजिए। साथ ही, भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

हाल ही में Covid-19 के बाद आपूर्ति श्रृंखला बाधित व रूस-यूक्रेन संकट के कारण तेल कीमतों में बढ़ोतरी हुई।

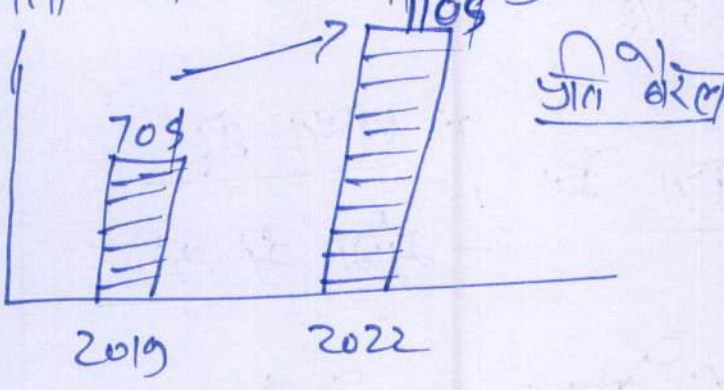

भारतीय अर्थव्यवस्था : डोमिनो प्रभाव

(i) भारत का आयात बिल बढ़ा, जिससे व्यापार घाटे में बढ़ोतरी हुई।

उदा- भारत ऊर्जा आवश्यकता का 86% तेल आयात करता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) लॉजिस्टिक कॉस्ट (13-14% GDP का)

बढ़ी → माला ढुलाई भाड़े में बढ़ोतरी

(iii) मुद्रास्फीति बढ़ी
- आयातित मुद्रास्फीति
- स्थायी मुद्रास्फीति

(iv) भारत की मुद्रा (रुपया) में गिरावट आई।

(v) विनिर्माण क्षेत्र में
- लागत बढ़ी
- मांग में कमी

उपाय/कदम

① तेल आयात केन्द्रों का विविधीकरण किया -

35% - रूस से पहले 2% अब 16%

② रुपया-रूबल स्कीम द्वारा रूसी सस्ता तेल खरीदा

(3) रणनीतिक तेल भण्डारों का प्रयोग

(4) मांग में कमी करने के लिए गैर इथेनॉल मिश्रित तेल पर प्रति लिटर 2 रुपये ड्यूटी बढ़ाई।

(5) इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य (20%) बढ़ाया

(6) ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा

आगे की राह – भारत को अपनी आयात निर्भरता को कम करना व पंचामृत लक्ष्यों 2030 तक 500GW को जल्द पूरा करते हुए। अपने तेल आयात का विविधिकरण कर ऊर्जा सुरक्षा तय करना।

12. The consistent high operating ratio of the Indian Railways is indicative of its incapability to generate high operational surplus. Explain the reasons behind this trend. Also, highlight the remedial measures taken by the government in this regard. **(250 words) 15**

भारतीय रेलवे का लगातार उच्च परिचालन अनुपात उच्च परिचालन अधिशेष सृजित करने में असमर्थता का संकेत है। इस प्रवृत्ति हेतु उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों को रेखांकित कीजिए।

भारतीय रेल की परिचालन लागत - 98% है तथा मांग-आपूर्ति का अंतराल एक बड़ी समस्या है। साथ ही औसत स्पीड - 24Km है, जो वैश्विक मानक से अत्यधिक कम है।

कारण ① भारत का रेलवे विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक उद्यम में से एक है। सार्वजनिक उद्यम होने से लाभप्रदता कम → कुशलता कम है।

② निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी नगण्य है

③ नए रेलवे ट्रैक का निर्माण अत्यन्त धीमी गति से।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) यात्री परिवहन की अकुशल कार्य-प्रणाली, रेलवे का लेट होना, माँग पूर्ति नहीं, वेटिंग समस्या।

(5) मालवाहक ट्रेकों के अभाव से अनावश्यक देरी होती है।

(6) रेलवे प्रशासन में लालफीताशाही, विवाद है

उपाय

(1) 5% रेलवे का निजीकरण कर 30 हजार करोड़ का निवेश

(2) नए रेलवे ट्रैक निर्माण

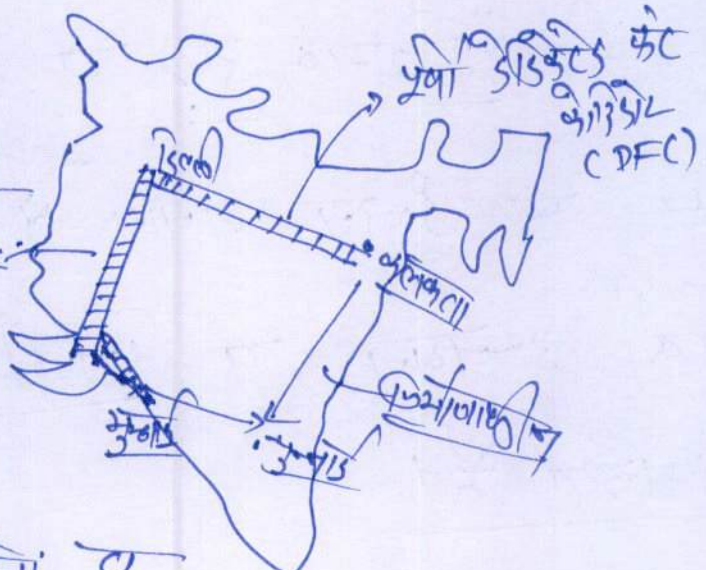

(3) विद्युत लाइनों व कॉरिडोर का निर्माण => कोयले पर निर्भरता कम की

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) वंदेभातरम् एक्सप्रेस (बजट - 2021-22 में अतिरिक्त

(5) 2000km फ्रांस्ट ट्रैक बनाने की घोषणा

(6) नई रेलवे मैनेजमेंट सर्विस का गठन कर एकीकृत प्रशासन

(7) रेलवे में कुशलता, प्रभावशीलता के लिए सीमित क्षेत्र में FDI देना।

अतः भारतीय रेलवे को भारत की लॉजिस्टिक रीढ़ व आर्थिक विकास का इंजन बनाने के लिए तकनीकी उन्नयन व निजी निवेश की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Micro food processing sector is the key driver of growth in the Indian economy as it encourages food processing innovation. In this context, state the challenges faced by the micro food processing sector and discuss how the recent initiatives taken by the government aim to address them.

(250 words) 15

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का प्रमुख चालक है क्योंकि यह खाद्य प्रसंस्करण नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए और चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों का उद्देश्य इनका समाधान करना है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य प्रसंस्करण की तीसरी अवस्था है जहां प्राथमिक उत्पादों का मूल्यवर्धन व शेल्फ लाइफ बढ़ाकर नए खाद्य उत्पाद बनाए जाते है। जैसे- फल → जैली

संभावनाएँ
- ① खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारत का 5 वाँ बड़ा उद्योग है।
- ② वार्षिक वृद्धि दर 10% है।
- ③ भारत में जलवायवीय विविधता, कच्चा माल की प्राप्ति, बड़ा मध्यमवर्ग, बढ़ता शहरीकरण व 100% FDI की अनुमति

महत्व → (i) कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त श्रम को रोजगार प्रदान होगा।
eg- रुद्र मेगा फूड पार्क से 25 हजार किसान लाभान्वित होते

(ii) ग्रामीण अवसंरचना व कृषि में निवेश बढ़ेगा। जैसे - कोल्ड स्टोरेज, भण्डारण

(iii) नवाचार व तकनीकी निवेश
→ डेयरी प्रसंस्करण तकनीक बढ़ावा
→ कृषि का यंत्रीकरण होगा।

(iv) कृषि निर्यात में बढ़ोतरी
- मसाले
- चाय
- फल

चुनौतियाँ → कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग का अभाव
- प्रसंस्करण तकनीक का अभाव
→ 7 लाख कुशल श्रमबल आवश्यक है।
→ भूमि अधिग्रहण (मेगा फूड पार्क-50 एकड़)
→ निजी निवेश का अभाव।

- कृषि सुधार बिलों की वापसी
- किसानों की अरुचि के कारण

सरकारी पहल – (i) प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना, मेगा फूड पार्क पर 50 करोड़ की सहायता

(ii) खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र हेतु (PLI) स्कीम

(iii) खाद्य प्रसंस्करण हेतु प्रधानमंत्री औपचारिकरण योजना

(iv) 100% स्वचालित मार्ग से FDI

(v) मॉडल कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग एक्ट

(vi) एकीकृत बागवानी मिशन

(vii) मिनी फूड पार्क की स्थापना

अतः सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण द्वारा SDG- 1, 2, 4, 8 की प्राप्ति संभव है तथा आर्थिक विकास में मददगार है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Despite efforts by successive governments, equitable growth remains elusive and income inequality continues to persist in India. Discuss.

(250 words) 15

क्रमिक सरकारों के प्रयासों के बावजूद, न्यायसंगत विकास दुष्प्राप्य बना हुआ है और भारत में आय असमानता निरंतर बनी हुई है। चर्चा कीजिए।

विश्व असमानता रिपोर्ट 2021 के अनुसार भारत में 10% जनसंख्या के पास 57% राष्ट्रीय सम्पत्ति है, जबकि 50% सबसे गरीब आबादी के पास मात्र 13% राष्ट्रीय सम्पत्ति है, जो आर्थिक विकास के न्यायसंगत न होने की ओर इशारा करता है।

न्यायसंगत विकास न होने के कारण

↳ (i) सामाजिक पूँजी का निर्माण न होना

↳ स्वास्थ्य, शिक्षा व मानव कौशल का अभाव है। मात्र ~5% श्रम बल ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) कृषि व भूमि सुधारों की असफलता
जैसे - असमान भूमि वितरण
(86% सीमांत किसान, मात्र 47% भूमि
- हरित क्रांति के दुष्प्रभाव

(iii) विनिर्माण व द्वितीयक क्षेत्र अविकसित

(iv) जॉब लेस ग्रोथ [आर्थिक वृद्धि दर = 8.5%
बेरोजगारी 4.8%

(v) सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता
(जैसे - GVA में 54% योगदान
रोजगार में मात्र 34% योगदान

(vi) असमानता - ① क्षेत्रीय असमानता बढ़ी
(जैसे - पूर्वी राज्य अविकसित
तटीय राज्य विकसित
② लैंगिक असमानता
(पुरुषों की औसत आय का मात्र 20% ही महिलाओं की आय, श्रमबल भागीदारी (20.5%)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आर्थिक असमानता (7% आबादी = 22% आय)

③ अवसंरचनात्मक पीछड़ापन (रोड, रेलवे - पोर्ट, स्कूल खस्ता हालत

④ आयात > निर्यात (व्यापार घाटा अधिक)

आगे की राह - भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था (वर्ष 2022 में 8.5% वृद्धि दर), सबसे अधिक क्षमता जनसांख्यिकी लाभांश (औसत उम्र - 27 वर्ष)

इन सबका लाभ उठाने के लिए समावेशी विकास हेतु मानव संसाधन का कौशल, रोजगार गहन क्षेत्र का विकास, मेक इन इण्डिया को डिजिटल इण्डिया बनाते हुए विनिर्माण का हब बनाना हो तब ही SDG-2030 की प्राप्ति होगी।

15. Stating the factors that determine the employment situation of an economy in the long-term, discuss the measures that are needed for India to address its unemployment problem. (250 words) 15
किसी अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों का उल्लेख करते हुए, उन उपायों की विवेचना कीजिए जो भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार भारत में कुल श्रमबल - 41% है तथा बेरोजगारी की दर 4.8% है।

अर्थव्यवस्था में दीर्घावधि में रोजगार हेतु निर्धारक कारक —

(i) कौशल व रिस्किलिंग का ढाँचा
eg- भारत में मात्र 5.8% श्रमबल ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है, जबकि दक्षिण कोरिया में 96%

(ii) सामाजिक पूंजी का निर्माण
- स्वास्थ्य मापदण्ड →
- शिक्षा – गुणवत्तापूर्ण
- सामाजिक सुरक्षा

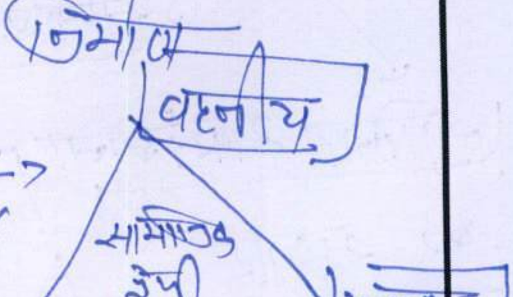

(iii) रोजगार गहन क्षेत्रों का विकास

भारत

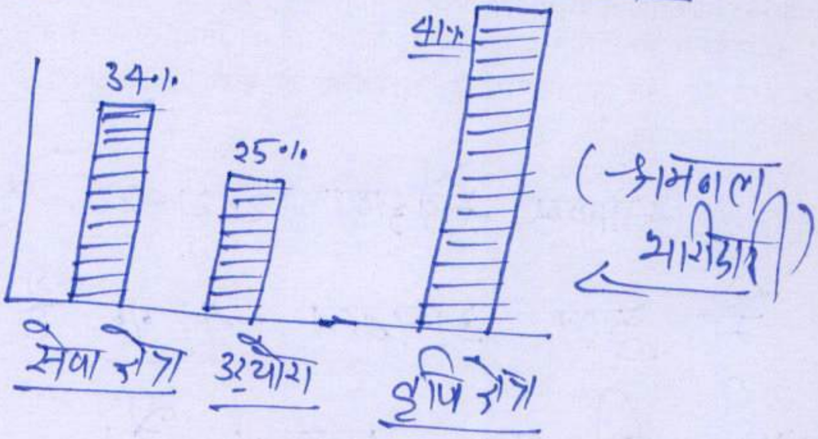

- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, टेक्सटाइल, लेदर विनिर्माण, MSME, लघु उद्योगों का विकास

(iv) निम्न कौशल आधारित विनिर्माण क्षेत्र

(v) अवसंरचना विकास
- आर्थिक अवसंरचना [बैंक, वित्तीय पहुँच]
- भौतिक अवसंरचना [रोड, पोर्ट]
- सामाजिक अवसंरचना [कौशल, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण]
- नीतिगत अवसंरचना (कर सुधार) – इज ऑफ डुइंग बिजनस, नीति निर्माण

भारत में बेरोजगारी : समाधान

(i) विनिर्माण क्षेत्र का विकास — मेक इन इंडिया / असेम्बल इन इंडिया
(लक्ष्य GDP में योगदान = 25%)

(ii) कौशल विकास
→ PM कौशल विकास योजना
– NSDC (400 मिलि. को 2022 तक)
स्किल इम्पैक्ट बाण्ड

(iii) शिक्षा व व्यवसाय के मध्य लिंक
– उद्यमिता पाठ्यक्रम
– करियर सेवा पोर्टल

(iv) औपचारिकरण
– ई-श्रम पोर्टल

(v) अवसंरचना विकास
– राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन
→ राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन

अतः भारत बहुआयामी कदम उठाते हुए बेरोजगारी की समस्या का समाधान कर 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य जनांकिकी लाभांश द्वारा पूरा कर सकता।

16. In view of the rapidly increasing socio-economic damage caused by disasters, integrating Disaster Risk Reduction (DRR) into development planning requires an effective stakeholder engagement mechanism. Discuss.

(250 words) 15

आपदाओं के कारण तेजी से बढ़ रही सामाजिक-आर्थिक क्षति को देखते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) को विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिए एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

भारत में हीट वेव का खतरा आने वाले दशक में 3 गुना बढ़ सकता है, जिससे सूखे की तीव्रता, जल संकट गहरा सकता है ऐसे ही बादल फटना, बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं की तीव्रता बढ़ने की भविष्यवाणी IPCC की 6वीं रिपोर्ट में की गई है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण : आवश्यकता

(i) यह प्रगतिशील आपदा प्रबंधन स्रोत है, जो आपदा के जोखिम को न्यूनीकृत करने की बात पर जोर देता है।

(ii) DRR से आपदा के नकारात्मक

सामाजिक - आर्थिक प्रभावों को कम किया जा सकता है।

(iii) आपदा के प्रत्येक चरण से जोड़ना

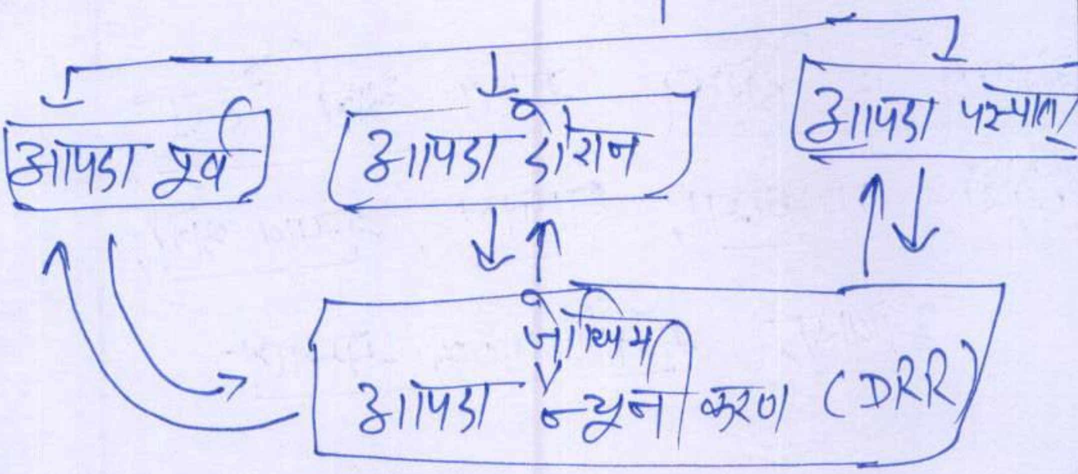

(iv) जान माल की हानि, बिल्ड बैक बेटर को प्रभावी बनाने हेतु जरूरी है।

प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र : आवश्यकता

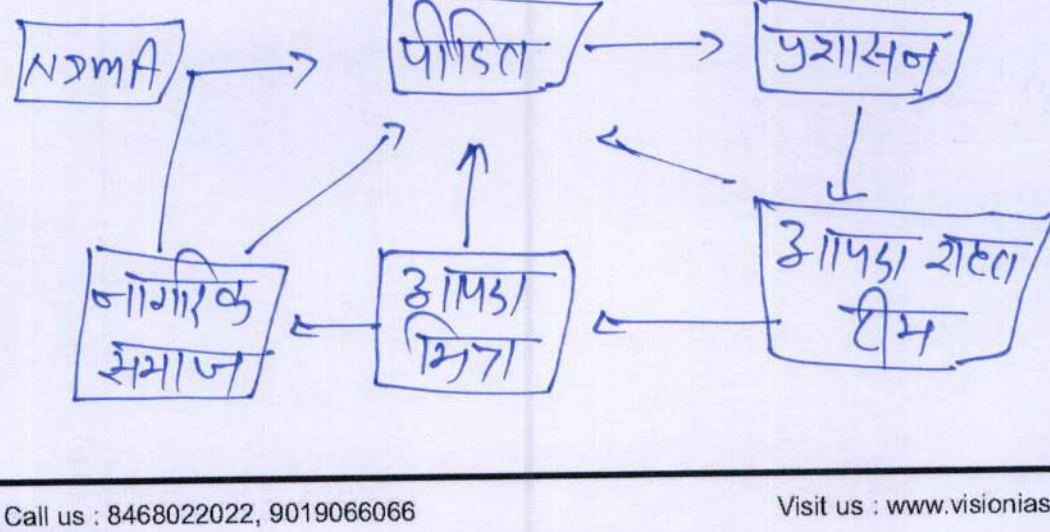

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) आपदाओं के पूर्वानुमान, व पूर्व तैयारी जैसे - मॉक ड्रिल में साथ, आपदा मित्र (स्वयंसेवी) को भी शामिल

(iii) आपदा के दौरान राहत कार्य हेतु जैसे - चिकित्सा, भोजन, बचाव कार्य, आवास, मनोवैज्ञानिक सम्बल.

अतः सेंडई फ्रेमवर्क की चार प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु बहु हितधारक तंत्र का निर्माण करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Provide an account of the existing carbon trading mechanisms in India. Also, discuss the significance of an efficient carbon trading market in the country and state the challenges that currently exist. **(250 words) 15**

भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, देश में एक कुशल कार्बन व्यापार बाजार के महत्व पर चर्चा कीजिए और वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता व कार्बन उत्सर्जक राष्ट्र है। भारत ने पँचामृत एक्शन प्लान के तहत 1 बिलियन टन कार्बन के अवशोषण का लक्ष्य रखा है।

तथ्य → 2030 ई. तक GDP की कार्बन तीव्रता को 45% (घटाकर) करना है।

कार्बन व्यापार तंत्र – पेरिस जलवायु समझौते के तहत भारत 3rd बड़ा कार्बन क्रेडिट वाला देश है। कार्बन के मात्रात्मक कोटा में से कार्बन उत्सर्जन पत्रों के खरीद-फरोख्त व्यवस्था को ही कार्बन व्यापार तंत्र कहते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कुशल कार्बन व्यापार का महत्व

→ (i) भारत के INDC व पँचामृत लक्ष्यों की प्राप्ति व 2070 तक भारत को Zero Carbon उत्सर्जक राष्ट्र बनाने में मददगार।

(ii) कार्बन टैक्स का प्रभावी क्रियान्वयन होगा।

(iii) कार्बन क्रेडिट का विनिमय पारदर्शी व प्रभावी रूप से करने के लिए एक मंच (प्लेटफॉर्म) होगा।

(iv) कम्पनियों की कार्बन उत्सर्जन सीमा का निर्धारण कर सकेंगे।

चुनौतियाँ – (i) आर्थिक विकास बनाम जलवायु परिवर्तन का द्वन्द्व है।

(ii) कोयले पर निर्भरता 60% है।

(iii) कार्बन क्रेडिट के विनिमय हेतु वैश्विक तंत्र का अभाव।

(iv) कार्बन क्रेडिट की मान्यता का अभाव है।

(v) जागरूकता व नियामकीय ढाँचे की अनुपलब्धता।

आगे की राह - (1) कोयले को फेज आउट करने से पहले भारत को नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य (2030 तक, 500 GW) को पाना

(2) कार्बन क्रेडिट एक्सचेंज या ग्रीन एक्सचेंज बनाना होगा जैसे - सोशल एक्सचेंज

(3) कार्बन टैक्स का युक्तिकरण।

अतः 2070 तक जीरो कार्बन एमिशन राष्ट्र बनने के लिए कार्बन व्यापार तंत्र की दक्षता जरूरी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. The menace of drug trafficking in India has been on a rise due to a mix of factors, both internal and external. Discuss. Also, state the challenges posed by drug trafficking to India's national security. **(250 words) 15**

भारत में ड्रग ट्रैफिकिंग का खतरा आंतरिक और बाह्य दोनों कारकों के समन्वय के कारण बढ़ रहा है। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष ड्रग ट्रैफिकिंग से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

ड्रग तस्करी एक संगठित अपराध है, जिसमे अवैध औषधियों, नशीली दवाओं का गैर-कानूनी सीमा पारीय आवरण होता है जो राष्ट्रीय सुरक्षा व अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरी है।

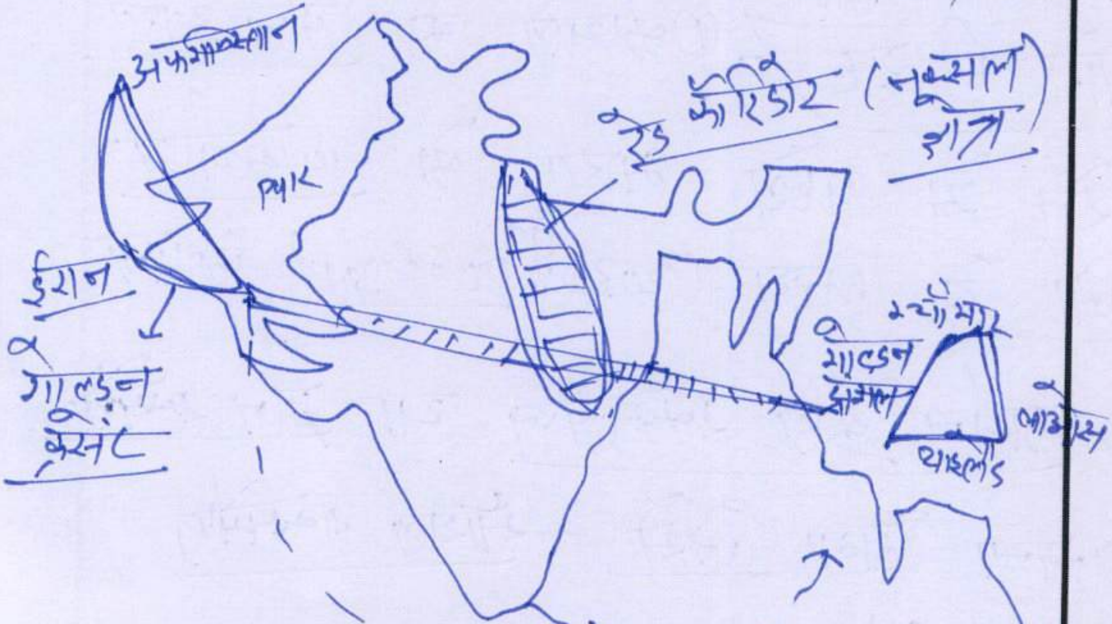

बाह्य कारण – (i) भारत की अवस्थिति –

गोल्डन क्रिसेंट व गोल्डन ट्रायंगल के

वीन्य है, जिसके कारण अफगानिस्तान व ईरान से अफीम, गाँजा, कोकीन का सीमा पारीय अवैध व्यापार होता है।

(ii) अफगानिस्तान में तालिबान, हक्कानी ग्रुप व उत्तरी-पूर्वी राज्यों में (अल्फा समूह) द्वारा ड्रग तस्करी को बढ़ावा देना।

(iii) गठबंधन →

(iv) सीमा प्रबंधन का अभाव
- छिद्रित सीमा
- विवादित क्षेत्र (जैसे - सरक्रीक)

आधुनिकीकरण का अभाव

आंतरिक कारण
- * ब्लैक इकोनॉमी का चलन
- * केन्द्रीय एजेंसियों (IB + NCB) की दक्षता में कमी
- * निगरानी तंत्र + आसूचना तंत्र कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* मनी लॉन्ड्रिंग, जाली नोट, हथियार तस्करी सामूहिक अपराध गुटों द्वारा अंजाम
* नक्सलवादियों द्वारा वित्त के स्रोत हेतु सीमा पारीय तस्करी (भारत-नेपाल)
* राज्य पुलिस संगठन में समन्वय नहीं

चुनौतियाँ
- (i) आंतरिक सुरक्षा को खतरा
- (ii) आतंकवाद का वित्त पोषण होता
- (iii) समानांतर, ब्लैक अर्थव्यवस्था

(iv) राजनीति का अपराधीकरण होता है।
(v) राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा
(vi) स्वास्थ्य, युवा आबादी पर बुरा प्रभाव

आगे की राह – FATF जैसी संस्थाओं से सहयोग, द्विपक्षीय सीमा प्रबंधन समझौते, एकीकृत चेक पोस्ट, राष्ट्रीय ड्रग कन्ट्रोल ब्यूरो का आधुनिकीकरण व ब्लैक मनी पर अंकुश द्वारा इस का समाधान तलाशना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The Andaman and Nicobar islands' strategic significance in the Indian Ocean region (IOR) has been underplayed by India's policy of 'masterly inactivity and benign neglect'. Critically discuss. **(250 words) 15**

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को भारत की 'कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा' की नीति के तहत कम करके आंका गया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

भारत के पूर्वी भाग, बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार द्वीप समूह (500+ द्वीप) है, जो सामरिक रूप से अधिक महत्वपूर्ण ऐवं महासागर संचार मार्ग पर स्थित है।

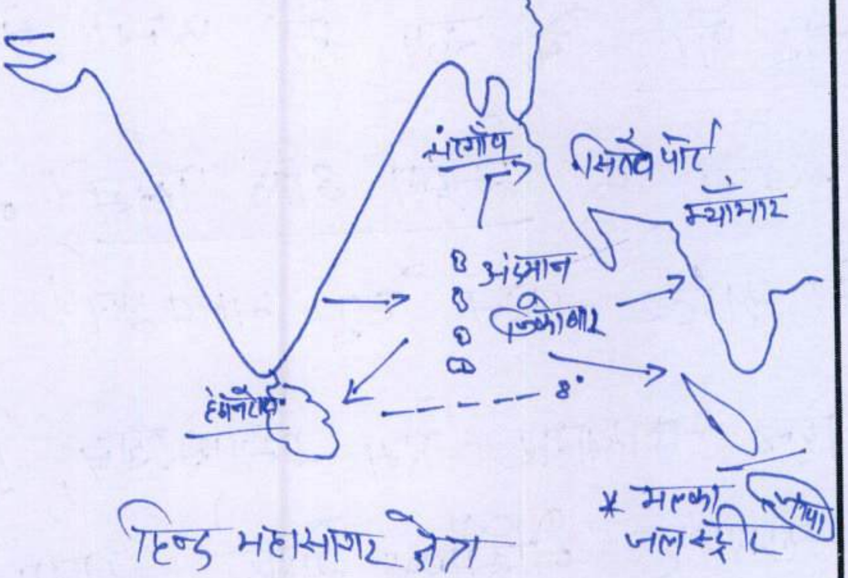

अँडमान - निकोबार का रणनीतिक महत्व

(i) सामरिक अवस्थिति - अंडमान निकोबार हिन्द महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्ग, मलक्का जल सन्धि व संचार मार्ग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर स्थित है, जो भारत को पड़ोसी इण्डोनेशिया (जावा, सुमात्रा) म्यांमार व बांग्लादेश के जल क्षेत्र तक करता है

(ii) आर्थिक महत्व - भारत का 90% व्यापार (मात्रात्मक) हिन्द महासागर क्षेत्र से होता है। अंडमान द्वीप समूह का प्रयोग शिपिंग, कन्टेनर पोर्ट के रूप में करना संभव

(iii) चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' नीति को काउंटर करने हेतु महत्वपूर्ण।

(iv) हिन्द महासागर रिम एसोसिएशन, हिन्द महासागर नौसैनिक गोष्ठी, सागर विजन के लिए महत्वपूर्ण है।

(v) भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी व एक्ट ईस्ट पॉलिसी महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कम महत्व देने का कारण

(i) IOR में भारत की कुशल अकर्मण्यता, व सौम्य उपेक्षा की रणनीति के कारण भारत ने द्वीपों का सैन्यकरण नहीं किया

(ii) भारत की गुटनिरपेक्षतावादी व आदर्शवादी विदेश नीति के कारण

(iii) जैव विविधता, जनजातीय हित व आंतरिक राजनीति के कारण।

आगे की राह – अंडमान, निकोबार में भारत की तीनों सेनाओं (नौसेना, वायु, थल) का एक कमांड ओपन करना तथा द्वीपों की अवसंरचना का विकास कर इसका प्रयोग भारत को IOR में निवल सुरक्षा प्रदाता बनाने हेतु करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India has recently commissioned the world's first large International Liquid-Mirror Telescope (ILMT). How will the newly commissioned telescope aid in India's astronomical observations and research? **(250 words) 15**

हाल ही में, भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित किया है। यह नवनिर्मित टेलीस्कोप खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में भारत की किस प्रकार सहायता करेगा?

हाल ही में उत्तराखण्ड में पहला ILMT (इंटरनेशनल लिक्विड मिरर टेलीस्कोप) की स्थापना की गई है, जो परम्परागत टेलीस्कोप से कई गुना अधिक प्रभावी है।

खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में महत्व

(i) ILMT में द्रव रूप में 'पारा' व अन्य उच्च प्रकाश परिवर्तित करने वाले द्रवों का प्रयोग होता है, जिससे इसकी कैप्चर करने की क्षमता बढ़ती है।

(ii) आउटर स्पेस में क्षुद्र ग्रहों, आकाशगंगाओं सुपरनोवा की घटना व ब्लैक होल के अध्ययन को बढ़ावा मिलेगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) ILMT परम्परागत टेलीस्कोप से अधिक कुशल है, जिससे भारत की अंतरिक्ष खोजों (पर ग्रहों पर) को बढ़ावा मिलेगा।

(iv) टेलीस्कोप द्वारा पृथ्वी पर आसन्न उल्कापात व अन्य खतरों का पूर्वानुमान क्षमता बढ़ेगी।

(V) खगोल विज्ञान में
- अनुसंधान को बढ़ावा
- वैज्ञानिक रुचि बढ़ेगी

(vi) भू-स्थानिक तकनीक (रिमोट सेंसिंग, GPS) को बेहतर किया जा सकेगा।

(vii) ILMT द्वारा चन्द्रयान-3, शुक्रयान व गगनयान जैसे आगामी मिशन में मदद करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः स्पेस वॉर व स्पेस सैन्यीकरण के दौर में ISRO भारत के लिए 'sky eye' का काम कर सकता है।